RAN-2301000102040335

RAN-2301000102040335

F.Y.B.A. (Sem. II) Examination October - 2023

हिन्दी मुख्य (Principal) Paper - 3(A) आधुनिक कविता

(काव्य सरिता)

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions

(૧) નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the details of ☛ signs on your answer book

Name of the Examination:

☛ **F.Y.B.A. (Sem. II)**

Name of the Subject :

☛ **हिन्दी मुख्य (Principal) Paper - 3(A) आधुनिक कविता (काव्य सरिता)**

Subject Code No.: **2301000102040335**

Seat No.:

Student's Signature

प्र-1. निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए.. (10)

1) सिखों के प्रधानमंत्री कौन थे?
   (A) तेज सिंह (B) मान सिंह
   (C) राज सिंह (D) दौलत सिंह

2) कवियत्री महादेवी अपने को किसके समान बताती हैं?
   (A) दीपक (B) आग
   (C) छाया (D) बुलबुल

3) किसको हम दुर्बल तथा निर्मल मानते हैं?
   (A) भूख (B) आग
   (C) पानी (D) धरती

4) नागार्जुन को कौन सी ऋतु बेहद पसंद है?
   (A) शिशिर (B) ग्रीष्म
   (C) वर्षा (D) बसंत

5) 'गीत फरोरा' कविता में आधुनिक युग के किस पर व्यंग किया गया है?
   (A) नेताओं (B) कवियों
   (C) लेखकों (D) शासकों

6) किससे भरा बबूल अपने फूल अर्पण करने के लिए बेताब है?

(A) नवयौवन (B) खुशी

(C) उत्साह (D) उल्लास

7) नाव का कोई क्या नहीं है?

(A) मालिक (B) मल्ला

(C) मतवाला (D) पतवार

8) कल्पना अपने को क्या कहती हैं?

(A) गुलाम (B) स्वतंत्र

(C) बिरही (D) शांत

9) कवि किसके प्रति समर्पित होने के लिए उत्सुक हैं?

(A) भक्ति (B) शक्ति

(C) समय (D) भगवान

10) कवियत्री किसका तार भी हूं कहती है?

(A) वीणा (B) शोभा

(C) संगीत (D) माधुर्य

प्र–2. 'हिमाद्री तुंग श्रृंग' से कविता में कवि के व्यक्त विचार स्पष्ट कीजिए। **(13)**

अथवा

प्र–2. 'शेर सिंह का शस्त्र समर्पण' कविता का भावार्थ लिखिए। **(13)**

प्र–3. 'मैं नीर भरी दुख की बदली' कविता की प्रमुख विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए। **(13)**

अथवा

प्र–3. 'बंगाल का काल' कविता में व्यक्त कवि के विचार स्पष्ट कीजिए। **(13)**

प्र–4. **(14)**

अ) टिप्पणी लिखिए।

1) 'कवि और कल्पना' कविता का भावार्थ

अथवा

'गीत फरोरा' कविता का केंद्रीय भाव ।

आ) सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

1) ''भूख भवानी भयावनी है,
अगणित पद मुख कर वाली है,
बड़े विशाल उदर वाली है,
भूख धरा पर जब चलती है,
वह डगमग डगमग हिलती है।''

अथवा

''अलसी के नीले फूलों पर नभ मुस्काया,
मुखर हुई बांसुरी अंगुलिया लगी थिरकने
पियके गालों तक पर हैं कुमकुम न्योछावर,
टूट पड़े भौंर रसाल की मंजरियों पर।''